

संपादकीय मोबाइल के सच-झूठ

वा यरलेस फोन से निकलने वाला विक्रिया, यानी रेडिएशन हमारे शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है, इसकी विटा तो मोबाइल फोन के आगमन से पहले ही आ गई थी। उस समय ही, जब कोई लेस फोन इस्तेमाल होने लगे थे। मोबाइल फोन जब आया, तो यह कहने वाले कई मिल जाते थे कि इसे कमीज की सामने की बारी जैसे मौनी रखना चाहिए, व्यक्ति वहाँ पीछे दिल जाता है और मोबाइल का रेडिएशन आपको दिल का मरीज बना सकता है या आपके दिल की धड़कन को प्रभावित कर सकता है। 5.5जी फोन 8.0 गीगाहर्ट्ज पर। कुछ लोगों ने यह अंकड़ा देखकर ही हाय-तोबा शुरू कर दी। हालांकि, वैज्ञानिक समझते हैं कि यह नॉन-आयोनिक रेडॉन ही है और इसका खतरा एक्स-रे या कॉम्प्रेस-रे जैसा नहीं है। मगर विटा करने वाले इन्हीं आसानी से कहा मानते हैं। इस बीच 5.5जी फोन की संस्थाएं और उनका इस्तेमाल तेजी से बढ़ा और उन पर चरने वाले गाड़ियां जैसे मायबॉम्स में यह प्रगति भी बढ़ा कि कैसे बैनिया इसी फोन की वजह से बेन कैसर की चेहरे में अंती जा रही है। हाद तोह हो गई, जब एक समय यह कहा गया कि 5.5जी टावर की वजह से लोगों को कौटुम्ब हो रहा है। वैज्ञानिक इस सब पर सिर्पल लीपाणी ही नहीं कर सकते, वे विटा भी थे। उन्हिया भर में इसके कई गंभीर अध्ययन हुए और अलग-अलग तरह के नितीजे सामने आए, पर विटा और अक्षयां हवास-राजी रहीं, बढ़ती रहीं।

विटा या वैचारिक टावर से भी ज्यादा अध्ययन जाए। गरबको संजोया, उनका पारे वैचारिक टावर से अध्ययन किया। एक यहीं पर एक बाल और समझ लेनी चाहिए कि कुछ दूसरे कैसर की तरह ही हम भैं कैसर होने का काम करना अभी भी ठीक से नहीं जानते। हमें नहीं पाया कि कुछ लोगों को क्या क्यों हो जाता है। विटा या वैचारिक समय के लिए यह अध्ययन करने वाले कैंसंस वैज्ञानिक इस नितीजे पर पहुंचे कि मोबाइल फोन या उसके टावर से निकलने वाले विकिरण से कैसे होने का या उसका जोखिम बढ़ जाने का खतरा है। इसके लिए दिए जाने वाले तर्क कारी कमरों हैं। उनकी नजर में यह खतरा उस तरह का ही है, जिनमा विटा जाता है।

अब जब विश्व स्वास्थ्य समन्वय ने आनी तरफ से इस विटा पर विराम लगाने की कोशिश कर रही है, जो यह यदि बाहर नियम लगाए तो वह यह तोह हो जाएगा। इसको लेकर सोशल मीडिया पर चरने वाले तोह-तोह अब सुनाई देनी बढ़ हो जाएगी। इसका जबवाब देना काफी मुश्किल है, क्योंकि यह स्वास्थ्य अब उस पर पहुंच चुकी है, जहाँ न तो वैज्ञानिकों का कोई बहुत चाहता है और न ऐसे अध्ययनों का। सोशल मीडिया के क्षुद्र पर चर का प्रहार अवसर बेसर ही दिखाई देता है। हमने अनीत में भी देखा है कि लोगों ने बहुत मेहनत से सोशल मीडिया के झूठ का पदार्थ किया, पर वह झूठ अभी तक उसी तरह प्रचार-प्रसार में है। आपको उस पर यकीन करने वाले भी बहुत से मिल जाएंगे।

भारत में 2045 तक 17.9 करोड़ बढ़ जाएगी कामकाजी लोगों की संख्या



नई दिल्ली। भारत की दोमोग्राफी आने वाले वर्षों में देश के विकास में बड़ी मान्यता देनी चाहिए की ओर से अगस्त में जारी भूमिका निभाएगी। 2045 तक देश में कामकाजी लोगों की संख्या 17.9 अरब करोड़ का इजाफा होगा। एक रिपोर्ट (एलएफपीआर) 15 वर्ष वा उससे यह जाकारी दी गई है। मौजूदा समय में भारत की कामकाजी लोगों की संख्या 9.61 करोड़ है और बेरोजगारी दर पांच वर्ष के निचले स्तर पर है। वैश्विक निवेश कर्म जेफरीज की ओर से कहा गया कि भारत में वर्षों की संख्या 15 वर्ष (25 से 64 वर्ष की आयु) में इजाफा हो रहा है। 2014-15 में यह आंकड़ा 47.15 करोड़ था।

दैनिक
करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉर्मशियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करें।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, MoU 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.CurrentCrimeU.com

रवायी, मुद्रक, प्राकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए जी एस।
पलिकेशन, एफ-23, सेक्टर-6, नोएडा-201301 (गोतमगढ़नगर) उत्तर प्रदेश से छपाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' वी-2वी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I.NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संसाधक दीप भाटी

संपर्कक : राकेश यादव,
विवेक भाटी

मारत की इन्यूएबल एनर्जी यात्रा अन्य उमरते हुए देशों के लिए मॉडल : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। भारत की रिन्यूएबल एनर्जी यात्रा अन्य उभरते हुए देशों के लिए यथा प्रदर्शक है। केंद्रीय न्यू और पर्सन्यूएबल एनर्जी मंत्री प्रल्हाद जोशी की ओर से यह बयान दिया गया है। भारत की ओर से साल 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस कारण लगातार रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता का वित्तन किया जा रहा है। सरकार ने 2030 तक 5.5जी फोन 8.0 गीगाहर्ट्ज पर। कुछ लोगों ने यह अंकड़ा देखकर ही हाय-तोबा शुरू कर दी। हालांकि, वैज्ञानिक समझते हैं कि यह नॉन-आयोनिक रेडॉन ही है और इसका खतरा एक्स-रे या कॉम्प्रेस-रे जैसा नहीं है। मगर विटा करने वाले इन्हीं आसानी से कहा मानते हैं। इस बीच 5.5जी फोन की संस्थाएं और उनका इस्तेमाल तेजी से बढ़ा और उन पर चरने वाले गाड़ियां जैसे मायबॉम्स में यह प्रगति भी बढ़ा कि कैसे बैनिया इसी फोन की वजह से बेन कैसर की चेहरे में अंती जा रही है। हाद तोह हो गई, जब एक समय यह कहा गया कि 5.5जी टावर की वजह से लोगों को कौटुम्ब हो रहा है। वैज्ञानिक इस सब पर सिर्पल लीपाणी ही नहीं कर सकते, वे विटा भी थे। उन्हिया भर में इसके कई गंभीर अध्ययन हुए हैं और अलग-अलग तरह के नितीजे सामने आए, पर विटा और अक्षयां बदल जारी होती रहीं, बढ़ती रहीं।

मंत्रालय की ओर से कहा गया कि भारत की रिन्यूएबल एनर्जी यात्रा अन्य उभरते हुए देशों के लिए यथा प्रदर्शक है। केंद्रीय न्यू और पर्सन्यूएबल एनर्जी मंत्री प्रल्हाद जोशी की ओर से यह बयान दिया गया है। भारत की ओर से साल 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस कारण लगातार रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता का वित्तन किया जा रहा है। सरकार ने 2030 तक 5.5जी फोन 8.0 गीगाहर्ट्ज पर। कुछ लोगों ने यह अंकड़ा देखकर ही हाय-तोबा शुरू कर दी। हालांकि, वैज्ञानिक समझते हैं कि यह नॉन-आयोनिक रेडॉन ही है और इसका खतरा एक्स-रे या कॉम्प्रेस-रे जैसा नहीं है। मगर विटा करने वाले इन्हीं आसानी से कहा मानते हैं। इस बीच 5.5जी फोन की संस्थाएं और उनका इस्तेमाल तेजी से बढ़ा और उन पर चरने वाले गाड़ियां जैसे मायबॉम्स में यह प्रगति भी बढ़ा कि कैसे बैनिया इसी फोन की वजह से बेन कैसर की चेहरे में अंती जा रही है। हाद तोह हो गई, जब एक समय यह कहा गया कि 5.5जी टावर की वजह से लोगों को कौटुम्ब हो रहा है। वैज्ञानिक इस सब पर सिर्पल लीपाणी ही नहीं कर सकते, वे विटा भी थे। उन्हिया भर में इसके कई गंभीर अध्ययन हुए हैं और अलग-अलग तरह के नितीजे सामने आए, पर विटा और अक्षयां बदल जारी होती रहीं, बढ़ती रहीं।



(आईएसए) दुनिया भर में सोलर एनर्जी के प्रयोग को बढ़ावा देता है विशेषकर विकासशील देशों में। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से पिछले महीने कहा गया कि जी20 में भारत एक्स-टावर देश है, जिसने पैरिस क्लियर इन्यूएबल एनर्जी समिट-2015' में किए गए वादों को

लेकर प्रतिबद्धता दिखाते हुए उन्हें डेलाइन से पहले पूरा किया है। मौजूदा समय में देश में स्थापित कुल सौलर और विड पावर क्षमता क्रमशः 85.47 गीगावाट और 46.65 गीगावाट है। केंद्र सरकार की ओर से सोलर और विड प्रज्ञानों के बढ़ावा देने के लिए कई पहल की जा रही हैं। 2030 तक गैर-जीवीश इंद्रावन क्षमता से 500 गीगावाट की ऊर्जा उत्पादन क्षमता को प्राप्त करने के लिए सरकार ने ऑटोमेटिक रूट से इस संस्कर में 100 प्रतिशत विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफीआरआई) को अनुमति दी है। इकोनॉमिक सर्वे के मुताबिक, भारत के पास अच्छा स्थानित इन्यूएबल एनर्जी जैसे सेक्टर में आसानी से एक अर्थात् एक्स-टावर की वजह से लोगों को कौटुम्ब हो रहा है।

पंजाबी लिपि 'गुरुमुखी' के जन्मदाता हैं गुरु अंगद देव

गजियाबाद, करंट क्राइम। गुरु अंगद देव को 'लहिणा जी' के नाम से भी जाना जाता है। अंगद देव जी पंजाबी लिपि 'गुरुमुखी' के जन्मदाता हैं। विलियम कैरी 1811 में अर्य भाषाओं के साथ-साथ पंजाबी का व्याकरण लिखे वाले पहले व्यक्ति थे। वाला फरीद जो पहला प्रमुख पंजाबी कवि हाय-तोबा शामा जाना जाता है। पंजाबी साहिक परंपरा को बाला फरीद (1173-1266) से शुरू माना जाता है, जिनकी सूखी कविताएं

उनकी सूख्ये के बाद आदि ग्रंथ में संकलित की गई। लाभग्रंथ संगठन ने एसेंप्लाई लिपि के बाला फरीद की वजह से अनुवाद नहीं किया। जो ऐ

कठिन प्रतिद्वंद्वी है भारत, लेकिन हमने ताकत दिखाई है: ट्रैविस हेड

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हथ के सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने कहा कि भारत के खिलाफ खेलना बेहद मुश्किल है, और रोहित शर्मा की अगुवाई



वाली टीम के खिलाफ सभी प्रस्तुपों में अच्छा प्रदर्शन करना उनके लिए अच्छा रहा है।

2023 में, हेड ने लंदन और अहमदाबाद में क्रमशः भारत के खिलाफ शनिवार शक्ति टेस्ट चैपियनशिप फाइनल में और बने रख विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस साल सेंट लुसिया में टी20 विश्व कप सुपर आउट गेम में, हेड ने 206 रनों के लक्ष्य का पूछा

करते हुए 43 गेंदों पर 76 रनों की तूफानी परी खेली, लेकिन जसप्रीत बुमराह की गेंद पर उनके आउट होने से ऑस्ट्रेलिया भारत से 24 रन से पछे रह गया।

उन्होंने कहा, वे बेहद कठिन हैं, हेड ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, हमुड़े नहीं लगता कि वे मेरे पास देंदा हैं। मुझे बस ऐसा लगता है कि हम उनके बाने रखने के लिए तैयार होने का इंतजार है, और उन्होंने उनके मध्यम इंडियन्स के साथ खेल खेलते हैं, मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों से मैं अच्छी फॉर्म में हूं। इसलिए अच्छा खेल पाना हमेशा अच्छा होता है। मुझे लगता है कि क्रियांकिता के लिए तैयार होना

मुश्किल नहीं है। वह बहुत प्रतिस्पर्धी हैं। खेल के लिए तैयार होना आसान है। इसलिए मैं यह नहीं कहूँगा कि वे मेरे पसंदीदा हैं।

2024/25 बॉर्डर-गावकर ट्रॉफी में भारत और ऑस्ट्रेलिया 22 नवंबर से 7 जनवरी, 2025 तक पर्थ, एडिलेंस (गुलाबी गेंद का मैट) , ब्रिस्बेन, मेलबर्न और सिडनी में टेस्ट मैच खेलेंगे। टेस्ट में मध्यमक के बल्लेबाज के रूप में बल्लेबाजी करने वाले हेड ने कहा कि वह इस मध्यपूर्ण श्रेणी में भारत के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा, वे बेहद कठिन हैं, लेकिन कुछ मैचों में अच्छा खेलना अच्छा रहा और अच्छी तैयारी करने और खेलने के लिए तैयार होने का इंतजार है, और उन्होंने उन्हें एक समाप्ति के लिए उत्सुक है। मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों से मैं अच्छी फॉर्म में हूं। इसलिए अच्छा खेल पाना हमेशा अच्छा होता है। मुझे लगता है कि

भारत के खिलाफ सभी प्रस्तुपों में हमेशा अच्छी फॉर्म में हूं।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पिछली दो बार बॉर्डर-गावकर ट्रॉफी जीती है, जो क्रमशः 2018/19 और 2020/21 में वहाँ खेली गई थी।



सुपर लीग के लिए: कालीकट एफसी ने मलप्पुरम एफसी को 3-0 से हराया

मलप्पुरम। सुपर लीग के लिए 2024 एक ऐतिहासिक क्षण का गवाह बना, जब बहुतीय भवल भारतीय शनिवार के मलप्पुरम के खालीखाल भरे मंजरी पर्यावाना स्टेडियम में मलप्पुरम एफसी और कालीकट एफसी के बीच खेला गया।

मलप्पुरम के शुरुआती नियन्त्रण के बावजूद, कालीकट एफसी ने धीरे-धीरे अपनी लाय हासिल कर ली और 22 वें मिनट में उनकी ढूढ़ता का फल मिला, जब गनी अहमद ने रक्षात्मक चूक का फायदा उठाया और गेंद को मलप्पुरम के गोलकारी प्रियुल के ऊपर से निकल दिया। नियन्त्रक मोड़ 62वें मिनट में आया, जब कालीकट एफसी के प्रतिष्ठित दिया। जब कालीकट एफसी के बावजूद भवल भरे थे, उनके लिए उनके लिए उनकी ढूढ़ता का फल मिल गई। दूसरे दाफ़े में मलप्पुरम एफसी नए दृष्टि स्टार, कर्वैंस बोलार्फोट ने एक अच्छे शार्ट के साथ गोल किया, जिससे कालीकट को बढ़ावा दिया। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।



मलप्पुरम के शुरुआती नियन्त्रण के बावजूद, कालीकट एफसी ने धीरे-धीरे अपनी लाय हासिल कर ली और 22 वें मिनट में उनकी ढूढ़ता का फल मिला, जब गनी अहमद ने रक्षात्मक चूक का फायदा उठाया और गेंद को मलप्पुरम के गोलकारी प्रियुल के ऊपर से निकल दिया। नियन्त्रक मोड़ 62वें मिनट में आया, जब कालीकट एफसी के प्रतिष्ठित दिया। जब कालीकट एफसी के बावजूद भवल भरे थे, उनके लिए उनकी ढूढ़ता का फल मिल गई। दूसरे दाफ़े में मलप्पुरम एफसी नए दृष्टि स्टार, कर्वैंस बोलार्फोट ने एक अच्छे शार्ट के साथ गोल किया, जिससे कालीकट को बढ़ावा दिया। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

उस्मान ख्वाजा ने की अश्विन की प्रशंसा

नई दिल्ली। बहुप्रतीक्षित बॉर्डर-गावकर ट्रॉफी सीरीज से पहले, ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को भारतीय औफिशियल रिप्रेसर रविचंद्रन अश्विन की उनकी सामरिक प्रियाभा और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी क्रम के लिए उत्सुक है।

22 नवंबर को पर्थ में शुरू होने वाले प्रथम टेस्ट से पहले, ख्वाजा ने अश्विन को बेंजो-डिक्शन को मजबूत हो गई और सोने की अपनी पहली जीत हासिल करने के लिए तैयार थी। जैसे ही मैच सामानी के करीब आया, गनी अहमद ने अतिरिक्त समय के बीचने कालीकट एफसी को जारी रखने का लक्ष्य रख दिया। जैसे ही मैच सामानी के करीब आया, गनी अहमद ने अतिरिक्त समय के बीचने कालीकट एफसी को जारी रखने का लक्ष्य रख दिया। जैसे ही मैच सामानी के करीब आया, गनी अहमद ने अतिरिक्त समय के बीचने कालीकट एफसी को जारी रखने का लक्ष्य रख दिया।

कालीकट एफसी अब ऊर्जावान शुरुआत के बावजूद, आपनी लाय हासिल करने के लिए उनकी ढूढ़ता का फल मिला, जब गनी अहमद ने रक्षात्मक चूक का फायदा उठाया और गेंद को भवल भरे थे, उनके लिए उनकी ढूढ़ता का फल मिल गया। ख्वाजा ने स्टार स्पोर्ट्स को बल्लेबाजों के खिलाफ काफी कारबाह साबित हुई है। उनकी उड़ान और मूवेंट डांगला शरीर के खिलाफ काफी कारबाह साबित हुई है। उनकी उड़ान और मूवेंट डांगला शरीर के खिलाफ काफी कारबाह साबित हुई है। उनकी उड़ान और मूवेंट डांगला शरीर के खिलाफ काफी कारबाह साबित हुई है। उनकी उड़ान और मूवेंट डांगला शरीर के खिलाफ काफी कारबाह साबित हुई है।

भारत के पूर्व बाएं हथ के नियन्त्रण प्रज्ञान ओंगोने 2018 से 2013 तक टेस्ट क्रिकेट खेला, लौंगेंज इलाग क्रिकेट के एलएसी के आगामी सत्र में समाप्ति टाइगर्स के लिए खेलने के लिए उनकी ढूढ़ता का फल मिल गया।

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आप कितने उत्सुक हैं?

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आप कितने उत्सुक हैं?

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आप कितने उत्सुक हैं?

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आप कितने उत्सुक हैं?

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आप कितने उत्सुक हैं?

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आप कितने उत्सुक हैं?

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आप कितने उत्सुक हैं?

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आप कितने उत्सुक हैं?

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आप कितने उत्सुक हैं?

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आप कितने उत्सुक हैं?

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आप कितने उत्सुक हैं?

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आप कितने उत्सुक हैं?

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आप कितने उत्सुक हैं?

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आप कितने उत्सुक हैं?

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आप कितने उत्सुक हैं?

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आप कितने उत्सुक हैं?

उत्तर: सबसे पहले, इसमें कई पर्टरों

में देखने को मिल गया। आ

